ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

"गन्दे चित्र देखना, नाविल्स पढ़ना.. इसकी छुट्टी बाबा ने नहीं दी है"

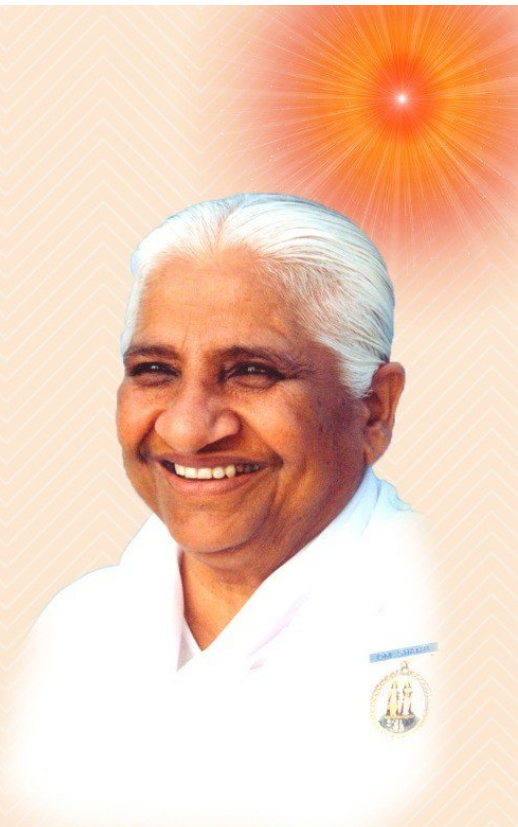

Dadi Prakashmani Ji..

बाबा ने कहा है तुम शरीर निर्वाह लिए कर्म करो, बाकी गन्दे चित्र देखना, नाविल्स पढ़ना... इसकी छुट्टी बाबा ने नहीं दी है। कोई कहते हैं क्या करें दिल उदास होती तो पढ़ लेता हूँ, पढ़ोगे, देखोगे, तो ज़रूर वह बुद्धि को डिस्टर्ब करेगा। इसलिए यह परहेज़ ज़रूरी है।

दादी जी ममतामयी भी, क्षमाशील भी और शिक्षादाता भी

कभी मेरा बाहर जाना होता और समय पर नहीं पहुँचता तो दीदी, दादी को ख़्याल रहता था कि अभी तक भाई नहीं पहुँचा। एक बार की घटना है। मैं आबू रोड से कुछ सामान ख़रीदने गाड़ी में गया था लेकिन समय पर वापस पहुँच नहीं पाया। मैं जब साढ़े 10 बजे पहुँचा, तो तुरन्त दादी जी ने बुलाया और कहा, भूपाल, आपके कारण दादी का कितना संकल्प चला, देरी से आने की सूचना क्यों नहीं दी? मैंने कहा, दादी, मेरे द्वारा बड़ी भारी भूल हुई, रास्ते में पहाड़ी में गाड़ी फँस गई थी। दादी जी ने कहा, 'बाबा के कमरे में जाओ और बाबा को सारी बात सुनाओ।' दादी जी यज्ञ वत्सों का इतना ध्यान रखती थीं। यदि वत्स समय पर नहीं पहुँचे तो प्रतीक्षा करती थीं। जैसे एक माँ का बच्चा समय पर नहीं पहुँचे तो उसकी स्थिति कैसी होती है, ठीक ऐसी ही स्थिति दादी की होती थी।

-ब्र.कु. भूपाल भाई, शान्तिवन।

दादी प्रकाशमणि जी से मिली हुई अनमोल शिक्षायें

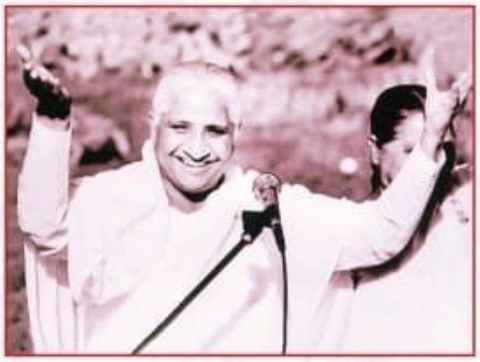

कभी भी अपना माथा क्यों-क्या के प्रश्नों में गर्म नहीं करो। दिमाग को शीतल कुण्ड बनाओ। शीतल काया वाले योगी बनो। भले तुम्हें गिराने के लिए कोई ने गड्ढा खोदा हो, लेकिन तुम अगर सच्चे हो, तुम्हारे दिल में उसके प्रति शुभ भावना है तो बाबा तुम्हारी रक्षा करेगा। तुम्हारे अन्दर कभी भी अशुभ भाव न हो। किसी को श्राप देने वाले दुर्वासा नहीं बनो। राजयोगी कभी दुर्वासा नहीं बन सकते।

बाबा की श्रीमत है बच्चे तुम क्षीरखण्ड होकर रहो। स्वप्न में भी लूनपानी नहीं होना। अगर कोई लूनपानी होते है तो ब्रह्माकुमार कुमारी कहला नहीं सकते। मेरा काम है दूध-चीनी होकर रहना। अगर मेरे में नमक (खारापन) होगा तो दूसरे भी मेरे ऊपर नमक डालेंगे। सदा क्षीरखण्ड रहना माना एकता में, युनिटी में रहना। पढ़ाई छोड़ना माना लूला लंगड़ा बनना।

Shiv Shakti Pandav Sena

ज्ञान की मंजिल कहती है - अकेला हूँ, अकेला जाना है।
अकेला समझी तो कभी भी देह की तरफ आकर्षण नहीं जा सकता है।
हम बाबा की गोदी में चले गये, न मैं किसी की गोदी में हूँ,
न कोई मेरी गोदी में आ सकता - यह ईश्वरीय लॉ कहता है।
हमें तो देह के धर्मों से परे जाना है, बुद्धि में एक बाबा है तो सब
विकारी वृत्तियाँ समाप्त हो जाती हैं। ज्ञान की ढाल को साथ रखो।

-दादी प्रकाशमणि

परमपिता शिव परमात्मा

Om Shanti

शुद्ध संकल्प के व्रत द्वारा
अपनी वृत्ति का परिवर्तन करो
वृत्ति परिवर्तन से
भविष्य जीवन रूपी सृष्टि
बदल जायेगी
शुद्ध संकल्प व
दृढ़ संकल्प के व्रत का
प्रत्यक्षफल है ही
सदाकाल के लिए
बापदादा का दिलतख्त

पिताश्री ब्रह्मा बाबा

Join Brahma Kumaris

दादी प्रकाशमणि जी से मिली हुई अनमोल शिक्षायें

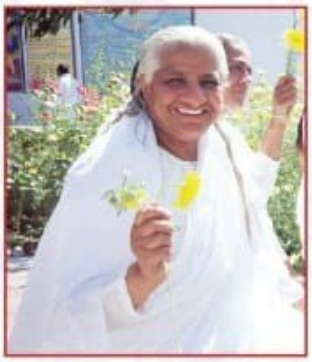

जरा भी मूडआफ करने की आदत न हो। मूड आफ माना ऑफ। उसे प्रेम की आफर मिल नहीं सकती। जहाँ दिव्यता है वहाँ मान अपमान का सवाल समाप्त हो जाता है। जहाँ मांगते हो कि मान मिले, वहाँ वह दूर हो जाता है। हम राजाओं के राजा हैं, हम कभी मांग नहीं सकते। राजा कभी नहीं कह सकता कि यह चपरासी मेरी इज्जत गंवाता है। राजा का तो आर्डर चलता। तो अपने आपसे पूछो मैं राज्य-अधिकारी हूँ या मैं अपने चपरासियों के अधीन हूँ?

हम सब दिलाराम बाप के दिलवाले बच्चे हैं। जब दिलाराम को दिल दे दी तो फिर कोई देहधारी आकर्षित कैसे कर सकता! किसी भी तरफ आकर्षित होना माना दिलबेकू बनना। बाबा ने बच्चों को शरीर निर्वाह करने की छुट्टी दी है, गन्दे चित्र देखने, नाविल्स आदि पढ़ने की छुट्टी नहीं दी है। कई कहते हैं दिल उदास होती है तो पढ़ लेता हूँ। पढ़ोगे, देखोगे तो जरूर वह बुद्धि को डिस्टर्ब करेगा।

"जो अपने संकल्पों को शुद्ध रखता है उसको सबका प्यार मिलता है"

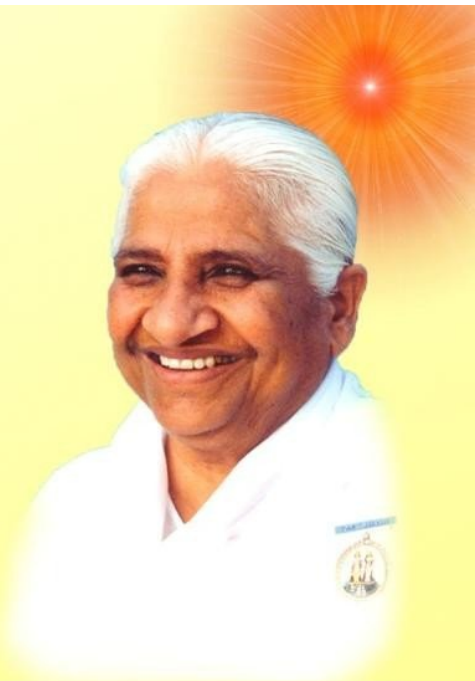

Dadi Prakashmani Ji..

जो अपने संकल्पों को शुद्ध रखता है उसको सबका प्यार मिलता है। मेरी बुद्धि अगर परचिन्तन में घूमती, सत्यता को छोड़, स्वच्छता को छोड़, असत्यता की ओर जाती तो पहले मेरी बुद्धि ने ही मुझे प्यार नहीं दिया। अगर बुद्धि ही प्यार नहीं करती तो दूसरे क्या करेंगे! साथ साथ यह भी देखो कि मेरे संस्कार मुझे रिस्पेक्ट देते हैं? मैंने अपने संस्कारों की चंचलता को स्वाहा किया है? अगर मेरे संस्कार ही मुझे रिस्पेक्ट नहीं देते तो दूसरे क्या देंगे?

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org